SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004, MAHARASHTRA
PHONE : EPABX – 2609000, www.unishivaji.ac.in, bos@unishivaji.ac.in
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४, महाराष्ट्र
दूरध्वनी - ईपीएबीएक्स - २६०९०००, अभ्यासमंडळे विभाग – ०२३१–२६०९०९४
Estd. 1962
"A++" Accredited by NAAC (2021) With CGPA 3.52

Ref. No./SU/BOS/Humanities/542 Date :19/07/2023

To,

1. The Principal,
   All Concerenced Affiliated Colleges/Institutions,
   Shivaji University, Kolhapur
2. The Head,
   All Concerenced Department,
   Shivaji University, Kolhapur

Subject : Regarding syllabi of M. A. & M.R.S. Part II (sem. III & IV) degree programme under the Faculty of Humanities as per National Education Policy, 2020 (NEP)

Sir/Madam,

With reference to the subject mentioned above I am directed to inform you that the University authorities have accepted and granted approval to the revised syllabi, equivalence and nature of question paper of M. A. & M.R.S. Part II (Sem. III & IV) under the Faculty of Humanities as per National Education Policy, 2020. (NEP)

English	Hindi	Marathi	Sanskrit	History
Sociology	Economics	Political Science	Russian	M.R.S.
Bhasha Proudyogiki	Criminal and Forensic Psychology	Clinical Psychology	Counselling Psychology	Industrial Psychology

This syllabi shall be implemented from the academic year 2023-24 onwards . A soft copy containing the syllabus is attached herewith and it is also available on university website www.unishivaji.ac.in (Online Syllabus).

For students of Distance Education this syllabi be implemented from the academic yerar 2023-24.

You are therefore, requested to bring this to the notice of all students and teachers concerned.

Thanking you,

Yours faithfully

(Dr. S. M. Kubal)
Dy. Registrar

Encl : As above

Copy to, For Information and necessary action.

Dean, Faculty of Humanities.	Computer Center/I. T. Cell.
Chairman, B.O.S./Ad-hoc Board under faculty of Humanities.	Eligibility Section.
Director, Board of Examinations & Evaluation	P. G. Seminar Section.
Appointment Section A & B	Distance Education Section.
M. A. Exam. Section.	Affiliation Section (T. 1 & T 2)
P. G. Admission Section.	

f:\deepak\faculty humanities\letter.docx

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी विभाग

एम.ए.भाषा प्रौद्योगिकी

एम.ए.भाग II : सत्र परीक्षा III & IV

अकादमिक वर्ष 2023 – 24

सत्र परीक्षा, क्रेडिट तथा एन.ई.पी.प्रणाली

NEW SYLLABUS, SEMESTER, CREDIT & NEP – 2020

भाषा प्रौद्योगिकी

एम.ए.भाग II: सत्र परीक्षा III

Course Number	Course Title	Credits	Marks
DSC – 07	प्राकृतिक भाषा संसाधन	04	100
DSC – 08	भाषा सॉफ्टवेयर्स	04	100
DSC - 09	मशीनी अनुवाद	04	100
DSE - 03	अंतरताना इतिहास तथा संरचना	04	100
SEC - 03	हिंदी ब्लॉगिंग : युक्तियाँ	02	50

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा III

DSC – 07 प्राकृतिक भाषा संसाधन

उद्देश्य :

- प्राकृतिक भाषा की जानकारी प्राप्त कराना और अप्राकृतिक भाषा के स्वरूप को समझना.
- भाषावैज्ञानिक अध्ययन में संगणक के उपयोगिता की जानकारी लेना.
- प्राकृतिक भाषा संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त कराना.
- वृक्ष संलग्न व्याकरण प्रणाली के स्वरूप को समझाना.

पाठ्यविषय :

इकाई -1 प्राकृतिक भाषा तथा अप्राकृतिक भाषा और कृत्रिम बुद्धि

- प्राकृतिक भाषा : स्वरूप, अर्थ, अवधारण
- अप्राकृतिक भाषा : स्वरूप, अर्थ , अवधारणा
- प्राकृतिक भाषा तथा अप्राकृतिक भाषा के बीच का अंतर
- कृत्रिम बुद्धि और मानव बुद्धि

इकाई -2 प्राकृतिक भाषा संसाधन : विविध पक्ष

- प्राकृतिक भाषा एवं संगणकीय भाषा
- प्राकृतिक भाषा संसाधन और कृत्रिम बुद्धि
- प्राकृतिक भाषा संसाधन और वाक् प्रौद्योगिकी
- प्राकृतिक भाषा संसाधन और प्राकृतिक भाषा बोधन
- प्राकृतिक भाषा संसाधन और प्राकृतिक भाषा प्रजनन

इकाई -3 भाषा वैज्ञानिक अध्ययन के तकनीकी अनुप्रयोगात्मक क्षेत्र

- मशीनी अनुवाद
- प्रकाशिक अक्षर संज्ञान
- पाठ से वाक् और वाक् से पाठ
- सूचना प्रत्यायन तथ पाठ सारांशीकरण
- संगणकीय कोश विज्ञान
- संगणक साधित भाषा अधिगम
- प्रश्न उत्तर प्रणालियाँ

- भाषा पठन एवं लेखन सहयोग, वाक् संज्ञान, वार्ता प्रणालियाँ
- खोज विस्तार

इकाई - 4 प्राकृतिक भाषा संसाधन : कृत्रिम बुद्धि का उपयोग तथा वृक्ष संलग्न व्याकरण प्रणाली

- कृत्रिम बुद्धि का क्रमिक विकास
- कृत्रिम बुद्धि : प्रणालियाँ, तकनीक, निरूपण
- वृक्ष संलग्न व्याकरण प्रणाली स्वरूप
- सन्दर्भ युक्त तथा सन्दर्भ मुक्त व्याकरण
- वृक्ष संलग्न व्याकरण प्रणाली (टैगिंग) : वृक्ष संलग्न व्याकरण का रुपवाद, परिभाषा, प्रतिस्थापना, संलग्नक, लक्षण संरचना और एकीकरण, टैग की स्थानिकता का व्यवहार क्षेत्र, टैग और हिंदी व्याकरण, बिज वाक्यों का कोशीय अंतरण

सन्दर्भ पुस्तकें :

- अली इकबाल मुज्जफर, सलिल सुरेश, कम्प्यूटर सहजबोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- बंसल राम 'विज्ञाचार्य', कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मिश्र विनोदकुमार, आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- वर्मा निधि, कम्प्यूटर बेसिक्स : उपकरण, तकनीक एवं महत्त्व, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ.अक्षय भोसले,अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान और पद्च्छेदन, ए.आर.प्रकाशन,नई दिल्ली

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा III

DSC – 08 भाषा सॉफ्टवेयर्स

उद्देश्य :

- भाषा के विविध सॉफ्टवेअर का परिचय कराना तथा उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालना.
- संगणक के भाषिक अनुप्रयोगों की जानकारी तथा उसके सहायक उपकरणों से छात्रों को अवगत कराना.
- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का स्वरूप, विकास तथा उसकी विविध योजनाओं का परिचय कराना.
- हिंदी के विविध सॉफ्टवेयर तथा उसके कार्यान्वयन की जानकारी प्राप्त कराना.

पाठ्यविषय

इकाई -1 भाषा सॉफ्टवेयर्स – परिचय तथा उपयोगिता

- भाषा सॉफ्टवेयर्स : संकल्पना तथा परिचय
- भारतीय तथा विदेशी भाषा सॉफ्टवेयर्स
- विविध क्षेत्रों में भाषा सॉफ्टवेयर्स की उपयोगिता

इकाई -2 भाषिक अनुप्रयोग तथा सहायक उपकरण

- भाषा के अनुप्रयोग – वेब प्रकाशन, डीटीप, ब्लॉग लेखन, अनुवाद, कोश निर्माण, उपशीर्षक,लिप्यन्तरण, शब्द संसाधन, डाटा संसाधन, मल्टी मिडिया अनुप्रयोग
- भारतीय लिब्रे ऑफिस तथा उसके विविध अनुप्रयोग
- मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस तथा उसके विविध अनुप्रयोग

इकाई -3 भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का विकास : विविध योजनाएँ

- भारतीय भाषाओं के तकनीकी विकास के प्रारंभिक प्रयास ,भारतीय भाषाओं में लिनक्स
- भारतीय भाषाओं के लिए भारतीय भाषाओं के मानक कोड तकनीकी विकास कार्यक्रम मानक कोड
- भारतीय भाषाओं के शब्द संसाधक
- भारतीय भाषाओं के की बोर्ड, ड्राइव्ह तथा फोंट्स विकास योजना
- वेबसाईट सामग्री का डिस्प्ले, वेब आधारित हिंदी ई-मेल तकनीकी प्रणाली

- संगणक साधित प्रशिक्षण : भारतीय भाषाओं के सॉफ्ट वेयर्स तथा फोंट्स
- भारतीय भाषाएँ और ई-गवर्नेस, भारतीय भाषाओं में संगणक प्रशिक्षण प्रणाली (लीला)

इकाई - 4 हिंदी के विविध सॉफ्टवेयर्स तथा कार्यान्वयन

- सुलिपि, आकृति, अंकुर, बैंक मित्र, श्रीलिपि, सिद्धार्थ, प्रकाशक, शब्दरत्न, भारत लिपि, शुभलाभ, मित, विनकी, प्रतीक, विजनलाईट, विजन ऑफिस, स्क्रिप्ट, मंत्रा आदि

सन्दर्भ पुस्तकें :

- इस्फोक, टाइप फेसेस, सी-डैक, जिस्ट-पुणे, 2003
- मल्होत्रा विजयकुमार, संगणक के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998
- भारत सरकार, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय तथा राजभाषा विभाग, द्वारा प्रणाली वेबसाइट्स तथा लिखित सामग्री

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा III

DSC – 09 मशीनी अनुवाद

उद्देश्य :

- अनुवाद का स्वरूप, अर्थ तथा उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालना
- मशीनी अनुवाद की अवधारणा तथा विकास की जानकारी लेना
- मशीनी अनुवाद का स्वरूप, अर्थ तथा उसके विकासक्रम से छात्रों को अवगत कराना
- मशीनी अनुवाद के विविध सहायक उपकरणों की जानकारी लेना

पाठ्यविषय :

इकाई -1 अनुवाद : स्वरूप, उपयोगिता

- अनुवाद – स्वरूप, अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, प्रकार, विविध समस्या
- अनुवाद के उपकरण, उपयोगिता के विविध क्षेत्र

इकाई -2 मशीनी अनुवाद : अवधारणा तथा विकास

- अवधारणा, स्वरूप, अर्थ, संकल्पना विवेचन
- विकास – मशीनी अनुवाद : प्रारंभ विकास के विविध सोपान
- प्रकार – विशुद्ध मानव अनुवाद, मशीन साधित मानव अनुवाद, मानव साधित मशीनी अनुवाद
- मशीनी अनुवाद की भारत सरकार की योजनाएँ

इकाई -3 मशीनी अनुवाद : प्रक्रिया तथा विविध सॉफ्टवेयर्स

- प्रक्रिया – संगणक साधित (मशीनी) अनुवाद की प्रक्रिया
- उपादान – पूर्व संसाधित, पद निरूपक, शाब्दिक विश्लेशित्र, शब्द संचय, क्रिया पदबंध विश्लेषण, अनुवादित्र, जनित्र
- मशीनी अनुवाद की धारापथी परावस्तुए (सॉफ्टवेयर्स)
- मशीनी अनुवाद की अधारापथी परावस्तुए (सॉफ्टवेयर्स)

इकाई -4 मशीनी अनुवाद : विविध सहायक उपकरण

- कोश, थिसारस, पारिभाषिक शब्दावली का डाटाबेस
- विविध धारापथी कोश, भाषिक संरचना
- भारत सरकार के विज्ञान तथा शब्दावली आयोग के धारापथी विषय निहाय, क्रमनिहाय शब्दकोश
- अनुवाद विषयक विश्व के विविध वेबसाइट्स

सन्दर्भ पुस्तकें :

- डॉ.कुलश्रेष्ठ रामप्रकाश, अनुवाद : प्रक्रिया और तकनीकी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
- विजय कुमार मल्होत्रा – कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' – अद्यतन भाषाविज्ञान प्रथम प्रामाणिक विमर्श, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
- Laxmibai B, A. case Grammar of Hindi : Central Institute of Hindi, Agra, 1973
- Malinnowski B, The problems of meaning in primitive Languages, Supplement to Ogden and Richreads, the meaning of meaning : Kegal Paul, Landon, 1923

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा III

DSE – 03 अंतरताना इतिहास तथा संरचना

उद्देश्य –

- नेटवर्किंग का अर्थ , स्वरूप और विकास के बारे में जानकारी लेना
- अंतरताना का अर्थ , स्वरूप और विकास के बारे में जानकारी को समझाना
- नेटवर्किंग के घटक, प्रकार तथा उसके भाषिक अनुप्रयोग से छात्रों को अवगत कराना
- अंतरताना के घटक, प्रकार तथा उसके भाषिक अनुप्रयोग पर प्रकाश डालना
- जाल साधित भाषिक प्रणाली पर प्रकाश डालना

पाठ्यविषय :

इकाई -1 संजालन तथा अंतरताना : स्वरूप तथा विकास

- संजालन : स्वरूप तथा विकास
- अंतरताना : स्वरूप तथा विकास

इकाई -2 संजालन तथा अंतरताना : घटक, प्रकार तथा भाषिक अनुप्रयोग

- संजालन : घटक
- संजालन : प्रकार
- संजालन : भाषिक अनुप्रयोग
- अंतरताना : घटक
- अंतरताना : प्रकार
- अंतरताना : भाषिक अनुप्रयोग

इकाई -3 संलेखन भाषाएँ, टैग संरचना, प्रलेख प्रस्तुति

- संलेखन भाषाएँ – एचटी एम एल, एक्स एचटी एम एल, एक्स एम एल, बिगविग
- टैग संरचना – मूल टैग, संरूपण टैग, सारणी एवं सूचीकरण टैग, हैपर लिंकिंग
- प्रलेख प्रस्तुति – डीओएम, डीटीडी, सिएसएस
- धृति प्रकार

इकाई - 4 जलसाधित भाषिक प्रणाली

- ढाँचा / नमूना
- मद्दे तथा अभिगम
- अन्योन्य क्रियात्मक बनाम स्थैतिक प्रस्तुति
- मुक्त स्रोत – पहल, प्रौद्योगिकी – लिनक्स, संलेखन उपकरण, स्थानीयकरण तथा वैश्वीकरण

सन्दर्भ पुस्तकें –

- Prof. Varanasi lalini, prof. V.Sudhakar, webpublication, neelkamal Pulication PVT. Hyderaba
- Dr. T.Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Computer Education, Neelkamal Publivations PVT. Hyderaba.
- Dr. T.Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Internet Education, Neelkamal Publivations PVT. Hyderaba.
- Zitirain Janathan, The Future at the Internet and How to stop It, Yale University Press

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा III

SEC – 03 हिंदी ब्लॉगिंग : युक्तियाँ

उद्देश्य -

- ब्लॉगिंग का उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त कराना।
- ब्लॉगिंग के विविध अंगों को समझना।
- हिंदी के प्रसिद्ध ब्लॉग एवं ब्लॉगर्स को जानना।
- अच्छे ब्लॉगर्स के कर्तव्य को समझना।

पाठ्यविषय :

इकाई -1 ब्लॉगिंग

- ब्लॉगिंग ,अवधारणा : स्वरूप ,इतिहास
- ब्लॉगिंग ,परिभाषा :उद्देश्य, लाभ
- ब्लॉग के विविध अंग

इकाई -2 हिंदी ब्लॉगिंग

- हिंदी ब्लॉग के प्रकार
- हिंदी ब्लॉगर्स के प्रकार
- हिंदी के प्रसिद्ध ब्लॉग
- वेब होस्टिंग
- अच्छे ब्लॉगर्स का कर्तव्य

संदर्भ ग्रन्थ -

- डॉ. प्रसाद विनोदकुमार, भाषा और प्रौद्योगिकी
- सूर्यप्रकाश दीक्षित, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन
- प्रेमशंकर , ब्लॉगिंग की पूरी जानकारी हिंदी में
- डॉ.दुर्गेश सिसोदिया, BLOGGING सम्पूर्ण ब्लॉगिंग हिंदी में – OTO Hero

---

SEC – 03 हिंदी ब्लॉगिंग : युक्तियाँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप : कुल अंक 50 (40 अंक प्रश्नपत्र तथा 10 अंक मौखिकी)

NATURE OF QUESTION PAPER AND MARKING :

प्रश्नपत्र की प्रकृति एवं अंक विभाजन

Total Marks -40 / कुल अंक – 40

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न का स्वरूप	कुल अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पीय प्रश्न (05 MCQ) (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक) अ. पर्यायवाची 3 प्रश्न। (06 अंक) ब. उचित मिलान। (02 अंक) क. सही गलत । (02 अंक)	**10**
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से कोई दो) (उत्तर सीमा: 150-200 शब्द)	**10**
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (उत्तर सीमा: 600-800 शब्द)	**20**

भाषा प्रौद्योगिकी

एम.ए.भाग II: सत्र परीक्षा IV

Course Number	Course Title	Credits	Marks
DSC – 10	संगणकीय सम्प्रेषण तथा जाल प्रकाशन	04	100
DSC – 11	धृति तथा कार्पस निर्माण	04	100
DSC - 12	हिंदी साहित्यिक रचनाएँ, कोश तथा लघुपट निर्माण	04	100
DSE - 4	प्रायोगिक तथा परियोजना कार्य	04	100
SEC	हिंदी ब्लॉगिंग : अनुप्रयोग	02	50

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा IV

DSC – 10 संगणकीय सम्प्रेषण तथा जाल प्रकाशन

उद्देश्य :

- संगणकीय सम्प्रेषण, स्वरूप तथा संरचना के विषय में जानकारी देना
- संगणकीय सम्प्रेषण, तंत्रण वर्गीकरण तथा तंत्रीय उपादेयता को समझाना
- जाल प्रकाशन, स्वरूप तथ विकास पर प्रकाश डालना
- जाल प्रकाशन, भाषिक अभिव्यक्ति तथा रचनाओं को समझाना

पाठ्यविषय :

इकाई -1 संगणकीय सम्प्रेषण – स्वरूप तथा संरचना

- संगणकीय सम्प्रेषण – स्वरूप, अर्थ, परिभाषा
- संचार संपादन – बॉन्ड रेट, आचार संहिता, संकलिक तथा असंकालिक सम्प्रेषण, संचार सामर्थ्य
- संचार साधन- मोडेम,संवर्प्राक्ष पत्रक (Intertree), आर.एस. २३२ सी संवाप्रक्षी
- बेस ब्रैंड तथा , बॉडबेंड प्रौद्योगिकी

इकाई - 2 संगणकीय सम्प्रेषण – तंत्रण वर्गीकरण तथा तंत्रीय उपादेयता

- तंत्रण वर्गीकरण – यथास्थ क्षेत्र तंत्र
  - बृहद क्षेत्र तंत्र
  - नागर क्षेत्र तंत्र
  - ब्रिज तथा गेट वे नेटवर्क
  - पैकेट स्विच्ड नेटवर्क
- तंत्रीय उपादेयता – विद्युत्यिक डाक, फैक्स, संदेशासेवाएँ, संगणकीय उच्चीकृत सन्देश सेवा, ध्रुतिसंकुल अभिगम, मौसम पूर्वानुमान, बैंक सेवाएँ, ई- व्यापार, यात्रा सेवाएँ, यातायात संयमन

इकाई -3 जाल प्रकाशन – स्वरूप तथा विकास

- अंतरताना : स्वरूप तथा विकास
- जाल प्रकाशन : स्वरूप, अर्थ, ई-प्रकाशन धारपथी प्रकाशन, अंकीय प्रकाशन
- जाल प्रकाशन के हेतु आवश्यक उपकरण
- विकास के विविध सोपान
- जाल प्रकाशन की विविध संस्थाएँ

इकाई -4 जाल प्रकाशन – भाषिक अभिव्यक्ति तथा रचनाएँ

- भाषिक अभिव्यक्ति – ई-ब्राउजर, ई-पुस्तकें, अकादमिक प्रकाशन,
- विविध विधाओं में ई-अभिव्यक्ति – यू-ट्यूब, ई-लर्निंग, आडियो विडियो विविध क्लिप्स
- ब्लॉग – ब्लॉग स्वरूप, पोस्ट, उद्देश्य , प्रकार, निर्माण विधि

सन्दर्भ पुस्तकें –

- Prof. Varanasi lalini, prof. V.Sudhakar, webpublication, neelkamal Pulication PVT. Hyderaba
- Dr. T.Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Commnication, Neelkamal Publivations PVT. Hyderaba.
- Zitirain Janathan, The Future at the Internet and Hoe to stop It, Yale University Press
- Kerrisk Michael, The Linux Progromming Interface
- वाचस्पति अविनाश, हिंदी का ब्लॉग साहित्य, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 2008
- प्रभात रविन्द्र, हिंदी ब्लोगिंग का इतिहास, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 2010
- वाचस्पति अविनाश, प्रभात रविन्द्र, हिंदी ब्लोगिंग: अभिव्यक्ति की नई क्रांति, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 2010

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा IV

DSC – 11 धृति तथा कॉर्पस निर्माण

उद्देश्य :

- धृति स्वरूप के विषय में जानकारी प्राप्त कराना
- धृति निर्माण पर प्रकाश डालना
- कार्पस स्वरूप का ज्ञान अवगत कराना
- कार्पस निर्माण समझाना

पाठ्यविषय :

इकाई 1 – धृति : स्वरूप

- परिभाषा, प्रक्रिया, प्रकार – लिनिअर, नॉन लिनिअर
- धृति द्विंक
- संचिकाएँ तथा निर्देशिकाएँ – डॉस
- संचिका तथ निर्देशिका नाम, संचिका पद
- डाटा संरचनात्मक कार्य – खोजना, चयन करना, समावेश करना

इकाई 2 – धृति निर्माण

- डीबी एम एस घटक – डाटा मॉडल्स, डाटा घटक
- डाटाबेस डिज़ाइन – प्रसान्यकरण, डाटा निर्भरता

इकाई 3 – कॉर्पस : स्वरूप

- कॉर्पस – लिखित, मौखिक
- एक भाषीय और समानांतर
- कॉर्पस टिप्पण – वाक्यात्मक, मानचित्र, पी ओ एस टैगिंग, फीचर

इकाई 4 – कॉर्पस : निर्माण

- कॉर्पस निर्माण उपकरण – आवृती गणक, क्विक, क्वोक , संरेखन, कॉर्पस टायगर, सुसंगतता
- कार्पस निर्माण प्रक्रिया
- शब्द आवृत्ति गणक
- सर्वनाम जांचक का निर्माण
- क्रिया विश्लेषक का विकास
- संज्ञा का रूप वैज्ञानिक विकास

सन्दर्भ पुस्तकें –

- Sebeok Thomas K., Materials for a typology of Dictionaries in Linguistics : 11, 1962
- Singh Surajbhan, A feature analysis of equational sentence in Hindi in India Linguistics : 40 (1), 1979
- Thosh W, Computer Linguistics : In A.A. Hill (ed.) Linguistics. Voice of America forum Lectures, Washington, 1969
- Willis Dave, the Lexical syllabus : Collins, London, 1990
- Wingorad Terry, Understanding Natural Language : Edinburgh University Press 1973
- Hill McGraw, Database System Concept-Abraham Silaberschatz and Hank akorth

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा IV

DSC - 12 हिंदी साहित्यिक रचनाएँ, कोश तथा लघुपट निर्माण

उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य विधाओं का अध्यन कराना
- कोश निर्माण प्रक्रिया को समझाना
- लघुपट संरचना पर प्रकाश डालना
- लघुपट निर्माण प्रक्रिया को स्पष्ट रूप में समझाना

पाठ्यविषय :

इकाई 1 – हिंदी साहित्य विधाएँ

- परिचय : हिंदी गद्य विधाएँ – कथा तथा कथेतर
- हिंदी पद्य विधाएँ – महाकाव्य, खंडकाव्य, लघु कविता, गीति कविता, मुक्तक

इकाई 2 – कोश निर्माण : प्रक्रिया

- कोश : स्वरूप, उद्देश्य, प्रकार, कोश बोधन
- मनुष्य द्वारा कोश निर्माण कार्य
- संगणक के आधार पर कोश निर्माण कार्य
- कोशीय व्याकरण और प्राकृतिक भाषा संसाधन का संबंध

इकाई 3 – पटकथा लेखन

- पटकथा लेखन : स्वरूप
- पटकथा लेखन के तीन अंग / ढाँचा
- संक्षिप्त कथा, विस्तृत कथा
- संवाद लेखन
- वृत्तचित्र, लघुपट की पटकथा
- अभिनय, शूटिंग, एडिटिंग की दृष्टी से पटकथा

इकाई 2 – लघुपट निर्माण प्रक्रिया

- विषय चयन / निर्धारण, निर्माण के उद्देश्य
- संगठित और कुशल निष्पादन, उत्पादन, प्रदर्शनी, निर्देशन कला, उच्च गुणवत्ता
- शूटिंग किट, अंकीय कार्यप्रभाव प्रबंधन
- लघुपट संपादन
- लघुपटों का यूट्यूब / सिनेमाघर प्रदर्शनी तथा वितरण

सन्दर्भ पुस्तकें :

- भोलानाथ तिवारी, कोश विज्ञान, ज्ञान भारती, दिल्ली
- भोलानाथ तिवारी, कोश रचना, ज्ञान भारती, दिल्ली
- विक्रम गुप्ता ,दर्शन पाण्डेय, कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
- कोश विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग, राम आधार सिंह, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा
- राजेन्द्र पांडे , पटकथा कैसे लिखें, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मनोहर श्याम जोशी, पटकथा लेखन एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- जाकिर अली रजनीश, हिंदी में पटकथा लेखन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, लखऊ
- मन्नू भंडारी, कथा पटकथा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा IV

DSE - 4 प्रायोगिक तथा परियोजना कार्य

उद्देश्य :

- पठित सामग्री का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कराना.
- पाठ्यक्रम के आधार पर रचना का भाषिक विश्लेषण कराना.
- पाठ्यक्रम के आधार पर किसी साहित्यिक रचना की पटकथा लिखना.
- पाठ्यक्रम के आधार पर किसी साहित्यिक रचना पर लघुपट बनाना.

पाठ्यविषय :

- संगणक तथा भाषिक अनुप्रयोग : कार्य
- किसी साहित्यिक रचना पर पटकथा लेखन : कार्य
- हिंदी साहित्यिक रचना पर लघुपट निर्माण : कार्य

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी भाग II

सत्र परीक्षा IV

SEC -IV हिंदी ब्लॉगिंग : अनुप्रयोग

उद्देश्य -

- ब्लॉगिंग के पेज निर्माण का ज्ञान प्राप्त कराना।
- ब्लॉगिंग के टेम्पलेट को समझना।
- ब्लॉग के ट्राफिक को जानना।
- ब्लॉग निर्माण की प्राविधि को समझना।
- ब्लॉग द्वारा अर्थार्जन के ज्ञान को प्राप्त कराना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 – हिंदी ब्लॉगिंग पेज निर्माण

- ब्लॉग पर पेज बनाना
- ब्लॉग के लिए टेम्पलेट लेना
- ब्लॉग के लिए विषय लेना
- ब्लॉग पर ट्राफिक बनाना

इकाई– 2 ब्लॉग निर्माण एवं अर्थार्जन

- ब्लॉग निर्माण की प्राविधि
- ब्लॉग का डिजाइन
- ब्लॉग का विमोचन
- ब्लॉग द्वारा अर्थाजन

संदर्भ ग्रन्थ -

- डॉ. प्रसाद विनोदकुमार, भाषा और प्रौद्योगिकी
- सूर्यप्रकाश दीक्षित, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन
- प्रेमशंकर , ब्लॉगिंग की पूरी जानकारी हिंदी में
- डॉ.दुर्गेश सिसोदिया, BLOGGING सम्पूर्ण ब्लॉगिंग हिंदी में – OTO Hero

----

SEC IV - हिंदी ब्लॉगिंग : अनुप्रयोग

प्रश्नपत्र का प्रारूप : कुल अंक 50 (40 अंक प्रश्नपत्र तथा 10 अंक मौखिकी)

NATURE OF QUESTION PAPER AND MARKING :

प्रश्नपत्र की प्रकृति एवं अंक विभाजन

Total Marks -40 / कुल अंक – 40

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न का स्वरूप	कुल अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पीय प्रश्न (05 MCQ) (प्रत्येक प्रश्न 02 अंक) अ. पर्यायवाची 3 प्रश्न। (06 अंक) ब. उचित मिलान। (02 अंक) क. सही गलत । (02 अंक)	**10**
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से कोई दो) (उत्तर सीमा: 150-200 शब्द)	**10**
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (उत्तर सीमा: 600-800 शब्द)	**20**